सत्र – 2021–22

राजामानसिहंतोमरसंगीत एवंकलाविश्वविद्यालय

स्कूलस्तरगायन एवंस्वर वाद्य पाठ्यक्रम

नियमित

Sangeetika Junior Diploma in performing art- (S.J.D.P.A.)

PAPER	SUBJECT VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)	MAX	MIN
1	Theory Music - Theory	100	33
2	PRACTICAL - II Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

राजामानसिंहतोमरसंगीत एवंकलाविश्वविद्यालय

Sangeetika Junior Diploma In PerformigArt(S.J.D.P.A)

(सुगम संगीत)

सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 100

1. भारतमेंप्रचलितप्रमुख संगीत पद्धतियों की संक्षिप्तजानकारी।
2. सुगमसंगीतमेंप्रयोंगकियेजानेवालेनिम्नलिखितवाद्यों की बनावट (सचित्र) एवंवर्णनः–बासुंरी, तबला, ढोलक, डफ, मंजीरा, बैन्जो (बुलबुल तरंग), तानपुरा।
3. परिभाषा एवंवर्णन :–
   संगीत, नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, (पल्टे), आरोह, अवरोह, पकड, थाट, राग, आश्रयराग, आलाप, तान।
   1. गीत, भजन, गजल एवंलोकगीत की संक्षिप्तजानकारी, विशेषताएँ एवंतुलनात्मक अध्ययन।
   2. ख्याल, ठुमरी, तराना, कव्वाली, भावगीत, अभंग, रविन्द्रसंगीत, नजरूलगीतआदिकीसंक्षिप्तजानकारी।
   3. पं. भातखण्डेनिर्मितस्वरलिपि–तालिपि पद्धति की जानकारी।
   4. निम्नलिखिततालोंकातालिपिमेंलेखन :–दादरा, रूपक, कहरवा, एकताल, त्रिताल।
   5. सीखेहुए गीत, भजन एवंगजलों की रचनाएँलिखकरउनकाभावार्थस्पष्टकरना।
   6. ''वृन्दवादन" (कोरस) एवं"वाद्यवृन्द" की संक्षिप्तजानकारी।
   7. सुगमसंगीतविषयकनिबंध कालगभग 300 शब्दोंमलेखन।
   8. निम्नलिखितरचनाकारोंकासंक्षिप्त जीवन परिचय :–हरिवंशराय बच्चन, गोपालदास, नीरज, मीराबाई, सूरदास, मिर्जागालिब, बहादुरशाहजफर।

राजामानसिंहतोमरसंगीत एवंकलाविश्वविद्यालय

Sangeetika Junior Diploma In PerformigArt(S.J.D.P.A)

(सुगम संगीत)

प्रायोगिकप्रदर्शन एवंमौखिक

समय : 20 मिनिट पूर्णांक : 100

1. आकाशवाणी द्वाराअनुमोदितरचनाकारोंकीरचनाओंकागायन :–चारगीत, चारभजन, चारगजलें (कुल 12 रचनाऍं) – (प्रत्येक रचनापृथकरचनाकारकीहोनाअनिवार्य है।) (प्रत्येक रचना की संगीतरचनामौलिक हो।)
2. राग यमन, बिलावल, खमाज, काफी एवंभैरवरागों के आरोहअवरोह एवंपकडतथाइनमेंसेकिसी एक रागमें मध्यलय ख्याल (5 आलाप एवं 5 तानों सहित) कागायन।
3. भारतमेंप्रचलितकिन्हींदोप्रदेशों के लाकेगीतोंकागायन। (कुल दोलोकगीत, दोनोंपृथकप्रदेशों के होनाअनिवार्य है।)
4. राष्ट्रगान (जनगणमन) तथाराष्ट्रगीत (वन्देमातरम) (आकाशवाणी अनुमोदितरागदेसपरआधारित रचना) कास्वर, लय मेंगायन।
5. हारमोनियमबजातेहुए दसअलंकारोंकागायन।
6. निम्नलिखिततालों की हाथसेतालीदेकरठाह, दुगुनमें पढन्त :–दादरा, रूपक, कहरवा, रूपक एवं त्रिताल।

प्रायोगिकअंकविभाजन

गीत	15 अंक
भजन	15 अंक
गजल	15 अंक
लाकेगीत	15 अंक
मध्यलय	10 अंक
राष्ट्रगान एवंराष्ट्रगीत	10 अंक
हारमोनियमबजाकरगायन	10 अंक
हाथपरतालप्रदर्शन	10 अंक
	.....
	100 अंक
	.....